Regarding need to address the grave situation arising from Silicosis, a disease caused by dust emissions from stone and marble industry in Dausa and other parts of Rajasthan

श्री मुरारी लाल मीना **(**दौसा**) :** मैं राजस्थान सहित दौसा में तेजी से फैल रही एक भयावह स्वास्थ्य त्रासदी की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । सिलिकोसिस, जो पत्थर एवं मार्बल उद्योग की धूल से होने वाली घातक बीमारी है, राज्य में हजारों परिवारों के लिए धीमी मौत का कारण बन चुकी है । यह बीमारी टीबी से भी अधिक खतरनाक है । संसद भवन या देश की ऐतिहासिक इमारतें, इनमें प्रयोग होने वाला लाल पत्थर और मार्बल राजस्थान की मिट्टी का ही योगदान है, लेकिन यही उद्योग श्रमिकों/ग्रामीणों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है । दौसा के सिकंदरा, सिकराय, गीजगढ़ और मानपुर क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ग्रामीण सिलिका धूल के संपर्क में रहने के कारण सिलिकोसिस का शिकार हो रहे हैं । फेफड़े पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और मरीज मौत और जीवन के बीच लम्बी लड़ाई लड़ने पर मजबूर हो जाते हैं । सिकराय उपखंड में सैकड़ों लोग ऑक्सीजन सिलेंडरों के सहारे जीवित हैं, जिनका दैनिक खर्च 600700 रुपये तक है, जो साधारण परिवार की सामर्थ्य से बाहर है । अतः आवश्यक है कि सरकार त्वरित सर्वे, वित्तीय राहत, पुनर्वास केंद्र, सब्सिडी पर ऑक्सीजन और एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के माध्यम से इस गंभीर स्थिति में तुरंत हस्तक्षेप करे, ताकि पीड़ित परिवारों को जीवन जीने का अधिकार मिले ।